बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी - १२ जून, २०११)

(समय : दोपहर २:०० से ४:१५)

सत्संग परिचय - २

सूचना : प्रश्न के बाद में दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं । **कुल गुण : ७५**

विभाग-१ : किशोर सत्संग परिचय - प्रथम संस्करण, फरवरी - १९९९

प्र.१ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । [९]

१. ''इसलिए इस गद्दी का हम क्या करेंगे ?'' (३८)

२. ''उसी तरह मैंने भी सहजानन्द स्वामी का आश्रय ले लिया है ।'' (४९)

३. ''यदी हम माँ की देहक्रिया करने में व्यस्त रहेंगे तो महाराज डडुसर से चले जाएँगे ।'' (९)

प्र.२ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) [६]

१. अरदेशरजी ने अपनी रक्षा के लिए महाराज से प्रार्थना की । (११)

२. एकान्तिक संत के साथ मन, कर्म, वाणी से संग करना चाहिए । (४३)

३. नीलकंठवर्णी ने पुतलीबाई को मोक्ष दिया । (१०१)

प्र.३ 'राजबाई' (५६) - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक)** [५]

प्र.४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । [५]

१. स्वरूपानन्द स्वामी को किसने दीक्षा दी ? (९१)

२. कड़वीबाई के भाई का नाम क्या था ? (२१)

३. किस को सुख नहीं मिलता है ? (७३)

४. मंत्री-पुत्र ने राजकुमार की गर्दन पर चीरा कर के क्या किया ? (१६)

५. श्रीजीमहाराज ने नथु भट्ट को समाधि लगवाकर क्या दिखाया ? (३९)

प्र.५ 'विषय के मार्ग में.....' (९०) - **'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण कीजिए ।** [५]

प्र.६ निम्नलिखित कीर्तन / अष्टक / श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । [८]

१. असूर अधर्मी ..... कराव्या त्याग (७)

२. जमणा पगने रे ..... पानी पीधानी टेव (६८)

३. गायत्रीथी लक्ष ..... सद्‌बुद्धि जागे (१५)

४. वैराग्यं ज्ञेयमप्रीतिः ..... सुष्ठु वेदनम् ॥ (९८) - **श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए ।**

विभाग-२ : प्रागजी भक्त - प्रथम संस्करण, नवम्बर - १९९८

प्र.७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । [९]

१. ''पारस से एक बार सोना बना दिए जाने पर पारस उसे पुनः लोहे में नहि बदल सकता ।'' (२८)

२. ''इसलिए सभी अवस्थाओं में खाते-पीते, सोते-चलते हमें भगवान का स्मरण करना चाहिए और जाप करना चाहिए ।'' (४७)

३. ''अब मैं निवृत्त हो गया हूँ, मैंने तो सारी कुंजिया प्रागजी को सौंप दी हैं ।'' (२३)

प्र.८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) [६]

१. प्रत्येक प्राणीमात्र चमार ही है और चमड़ा चूथता है । (१६)

२. श्रीजीमहाराज ने गुलाब और मोगरे की माला अपने गले से उतारकर यज्ञपुरुदासजी को दी । (६२)

३. स्वामी ने प्रागजी भक्त को वाघा खाचर की सेवा करने के लिए कहा । (२५)

प्र.९ 'अहमदाबाद में ज्ञानयज्ञ' (४८) - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक)** [५]

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । [५]

१. सूरत में यज्ञपुरुषदासजी किस के पास ठहरे हुए थे और क्या करते थे ? (३७)

२. भगतजी की महिमा के संबंध में किस ने कौन सी भाषा में अष्टक रचा ? (४३)

३. गढपुर में आचार्य महाराज ने भगतजी से क्या पूछा ? (५३)

४. प्रागजी भक्त को कब दुःख होता ? (९)

५. श्रीजीमहाराज ने प्रागजी भक्त को प्रथम कौन - से स्वरूप में दर्शन दिया ? (२२)

(पृष्ठ पलटिये)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किये गये पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर ''**सत्संग परिचय-२**'' परीक्षा दी है। निम्नलिखित बातें सही हैं, जो आपको विदित हो ।

दिनांक महीना साल

परीक्षार्थी का जन्म दिन :- ☐☐ ☐☐ ☐☐☐☐

परीक्षा दिनांक और परीक्षा का समय :

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर :

सूचना : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगत भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को वापस कर दें । सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा दे । (अपूर्ण विवरणवाली उपस्थिति स्लीपें मान्य नहि होंगी ।)

प्र.११ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । **[६]**

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहि दिया जाएगा ।

१. गुणातीतानन्द स्वामी का संग होने से पहेले भगतजी किन परमहंसों के साथ रहे ? (३)

(१) ☐ नित्यानन्द स्वामी (२) ☐ योगानन्द स्वामी

(३) ☐ मुक्तानन्द स्वामी (४) ☐ गोपालानन्द स्वामी

२. भगतजी ने कराया हुआ ऐश्वर्य दर्शन । (६३, ६४)

(१) ☐ नाग का जहर उतारा (२) ☐ हैजा का रोग दूर किया।

(३) ☐ कूत्ते काट ने का दर्द मिटाया। (४) ☐ ब्राह्मण को श्रीजीमहाराज के दर्शन हुए।

३. भगतजी ने हरिभभक्तों के कल्याण के लिए कहाँ और कितनी जपमाला फेरी ? (५१)

(१) ☐ १८,००० (२) ☐ १०,०००

(३) ☐ जूनागढ़ (४) ☐ महुवा

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । **[६]**

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

उदाहरण : जूनागढ में अपूर्व सम्मान : जूनागढ के अमीन हरिभक्त आचार्य जटाशंकर ने अपने शिष्य मणीलाल भट्ट से कहा, ''यह जागा भक्त जैसे चमार खाँट के ऊपर बैठे हैं और आचार्य उसे दण्डवत् करते हैं ।''

उत्तर : जूनागढ में अपूर्व सम्मान : जूनागढ के **नागर** हरिभक्त **डॉ. उमियाशंकर** ने अपने **गुरु बालमुकुन्ददासजी** से **पूछा**, ''यह **प्रागजी भगत** जैसे **दरजी गद्दी के** ऊपर बैठे हैं और **संत** उसे दण्डवत् करते हैं ।''

१. **जूनागढ़ में गुणातीतानन्द स्वामी का संग :** भगतजी महाराज प्रतिवर्ष छः महीना गुणातीतानन्द स्वामी के साथ बिताते । (७)

२. **साक्षात्कार :** श्रीजीमहाराज ने प्रागजी से कहा : ''तुम स्वामी के वश में हो और तुमने स्वामी को वश में कर रखा है, अतः अब से मैं तुम्हारे वश में भी हूँ ।'' (२२)

३. **कंटकाकीर्ण मार्ग-विरोध का आरम्भ :** प्रागजी ने उत्तर दिया, ''स्वामी की गाड़ी में से अनन्त चन्द्रों का तेज प्रकाशित हो रहा है, इसलिए मैं वहाँ नहीं आ सकता ।'' (२९)

४. **जूनागढ़ में अपूर्व सन्मान :** जगत का अज्ञान रखे वह गुरु । जिनके दर्शन से मन डाबांडोल न हो और हमारे मन को जोड़ दे वह गुरु । (५९-६०)

५. **रुग्णता का आशीर्वाद माँगा :** ''हे स्वामी ! मैंने आपसे और शुकमुनि स्वामी से सुना है कि गाड़ी और बंगले में शाश्वत सुख नहीं है ।'' (१०)

६. **सत्संग में पुनः प्रवेश :** भगतजी ने खुशाल भगत को कहा यह कुर्ता तो तुम्हारी देह को ढकेगा किन्तु मैं तो ऐसा कुर्ता सी सकता हूँ जो तुम्हारे अन्तर को ढक ले । (३५)

❋ ❋ ❋

सूचना : इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक १० जुलाई, २०११ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे । अभ्यास क्रम में सामिल पुस्तक की अंतिम संस्करण का ही उपयोग करें । मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के ईलावा अतिरिक्त पनों में लिखे हुए उत्तर मान्य नहि होंगे ।